तेरा पजामा मेरे नही आयेगा

तेरा पजामा मेरे नही आयेगा
मेरे आ जायेगा जब मेरा वन जायेगा

ज्ब मेरा हो जायेगा तो ----
छोटा होगा तो बडा करवा लूगा
यदि बडा होगा तो छोटा करबा लूगा

और एक फयदा है पजामे मे, ढ़ीला होगा चलेगा
वरना तिरा हाटवा लो
यदि कसा हो तो एक तीरा और लागबा लो
पर यह सब जभी करूगा जब पाजामा मेरा वन जायेगा
इसी तरह कुर्ते की कहानी भी एसी ही होगी

पर मैं अपको एक किस्सा सुनाउ कुर्ते पजामे की तो अपको मजा अयेगा
एक वार मेरा एक दोस्त मेरे घर आया पर साथ कपडे साथ नही लाया
उसे मेरे घर पर कई दिन रहना पड गया
उस बीच हमे किसी शादी मे जाना पडा
तो उसने हम से पजामा कुर्ता मागा और पहन लिया
जब हम नई जगह पर पहुचें बतो मे हमने कह दिया
यह पजामा कुर्ता इनका नही हैं हमारा हैं
घर पहुच कर हमारा दोस्त हम पर गुस्सा हुआ
कि तुमने पजामे कुर्ते के बारे क्यो बोला यह तुम्हरा हैं
हमने बोला हम नही कहेंगे कि यह कुर्ता पजामा हमारा हैं
दूसरे दिन हमे कही और जाना पडा फिर उसने हमारे कपडे पहने
जेसे ही हम नई जगह पहुचे हमने कह दिया
यह कुर्ता पजामा जो इन्होने पहन रक्खा है इन्ही का ही है
घर पहुच कर दोस्त हम पर फिर गुस्सा हुआ
कि तुमने ऐसे क्यो कहा हमने वादा किया किया नहीं बोलेंगे
तीसरे दिन भी हमे साघ साघ कहीं जाना पड गया
हमने वहाँ पहुँचते ही कह दिया हमसे कोई बात करबा लो
पर हम इनके पजामे कुर्ते के बारे में कुछ भी नहीं बोलेगें
आप सोचं स्कते हैं हम घर पहुचे तो दोस्त फिर गुस्सा हुआ

इसीलिये हमने यह कहानी लिखी कि
एक और भी मतलब हैं, इस कविता लिखने का
हमारी समस्यायो का हल किसी भी मागें हुये हल से नही चलेगा
हल जभी सही होगा जब हम समास्यायो को अपना वना लेगें
अब आप स्वयं ही देख ले इतने नेता आये और चले गये
पर समास्याये अधिक ही हुइ हें कम नही
कारन नेता जी ने अपनी घटा ली हमारी ब ढ़ा दी
अभी वक्त है समस्यायो को अपना बना लो तभी हल भी अपने होगें वरन तेरा.....

उमेश रश्मि रोहतगी नोबी मीचिगन सयूक्त राज्य अमरीका चार मार्च दो हाजर छ